मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए 'नो प्रॉब्लम' लैंड: एलएनजे

वाणिज्य संवाददाता | भोपाल

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की सारी संभावनाएं मौजूद हैं। यहां कानून व्यवस्था बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से कहीं बेहतर है। हमने यहां 1977 में मंडीदीप में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड बनाने वाली एचईजी और 1989 में इंदौर के पास खलघाट में गारमेंट कंपनी मराल ओवरसीज की स्थापना की थी। इतने सालों में हमें एक दिन भी मजदूरों की समस्या के चलते अपनी यूनिट बंद नहीं करनी पड़ी।

यह कहना है एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप के संस्थापक एलएन झुनझुनवाला का। वे यहां अपने समूह के 50 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेने आए थे। उन्होंने आगे कहा 'प्रदेश में गारमेंट क्षेत्र काफी तेज गति से बढ़ सकता है। यहां की रूई देश में सबसे अधिक बढ़िया है, लेकिन अभी तक ज्यादातर कंपनियां सिर्फ धागा और कपड़े तक सीमित है, जबकि अब इन्हें दायरा बढ़ाकर सिले हुए कपड़ों तक ले जाना चाहिए। हमारी खुद गारमेंट फैक्ट्री है, इसके बाद भी औरों की तरह हम भी इन संभावनाओं नहीं पहचान सके। आज मैं सोचता हूं कि हमसे यह सबसे बड़ी गलती हुई है।'

मंडीदीप में होगा 250 करोड़ का निवेश

एचईजी लिमिटेड अगले वाले दो सह में अगले चरण की क्षमता विस्तार योजनाओं पर काम शुरू करेगा। इसमें 250 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसके तहत कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता को 80,000 टन से बढ़ाकर 1 लाख टन तक ले जाएगी। कंपनी के सीएमडी रवि झुनझुनवाला ने बताया कि कंपनी की 350 करोड़ रुपए की मौजूदा विस्तार योजना पर काम लगभग पूरा होने वाला है। इसके तहत कंपनी ने अपनी उत्पादन क्षमता को 80,000 टन तक पहुंचाया है। वैश्विक स्तर पर डिमांड को देखते हुए कंपनी को इसके ठीक बाद फिर से क्षमता विस्तार की 250 करोड़ की योजना पर काम शुरू करना है।